NEED 24 NEWS
हर खबर, हर शहर

ताज़ा खबर | वर्ष-01 अंक-180 | संपादक: Mukesh Giri | 29 जून 2026

जन्नत-ए-कश्मीर

राजनीति

जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों के आउटसोर्सिंग पर राजनीतिक गरमागरमी

जम्मू और कश्मीर में सरकारी नौकरियों के आउटसोर्सिंग का मुद्दा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विषय के रूप में उभरा है, जिस पर आलोचना और बहस हो रही है।

जम्मू और कश्मीर में सरकारी पदों के आउटसोर्सिंग की प्रथा राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई है। इस विकास ने क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक गुटों के बीच चर्चाओं और असहमति को जन्म दिया है। इन नौकरियों का आउटसोर्सिंग अब राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है, जो रोजगार रणनीतियों और स्थानीय आबादी पर उनके प्रभावों के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाता है। आउटसोर्सिंग नीतियों का विवरण और प्रभावित विभाग चल रही बहस के केंद्र में हैं। यह मुद्दा जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में नवीनतम फ्लैशपॉइंट के रूप में उभरा है, जो सरकारी रोजगार की संवेदनशील प्रकृति और क्षेत्रीय राजनीति पर इसके प्रभाव को उजागर करता है।

स्रोत: The Indian Express

चित्र: Wikimedia Commons / Prime Minister's Office

अपराध

जेएंडके ग्रामीण बैंक में 68 लाख रुपये की धोखाधड़ी की क्राइम ब्रांच जांच कर रही है

चित्र: Wikimedia Commons / Basimji zulfkar

जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं में कथित तौर पर 68 लाख रुपये की एक बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले की जांच शुरू करने के लिए क्राइम ब्रांच ने आधिकारिक तौर पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर ली है। इस जांच का उद्देश्य कथित धोखाधड़ी की गतिविधियों के विवरण का पता लगाना और जिम्मेदार लोगों की पहचान करना है। शामिल राशि की अधिकता को देखते हुए, कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा जवाबदेही सुनिश्चित करने और किसी भी गबन की गई धनराशि की वसूली के लिए एक गहन जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच द्वारा जांच आगे बढ़ने के साथ ही प्रभावित शाखाओं और कथित धोखाधड़ी में अपनाई गई कार्यप्रणाली के संबंध में आगे के विवरण सामने आने की उम्मीद है।

स्रोत: Daily Excelsior

स्वास्थ्य

शिविर का आयोजन किया

पारस हेल्थ, एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, ने सोनमर्ग में एक नि:शुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय आबादी को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना था। शिविर में विभिन्न विशिष्टताओं में परामर्श की सुविधा दी गई, जिससे समुदाय के भीतर विभिन्न स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह आउटरीच कार्यक्रम दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार के लिए पारस हेल्थ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रदान की गई विशिष्ट चिकित्सा सेवाओं और लाभार्थियों की संख्या के...

स्रोत: Kashmir Life

चित्र: Wikimedia Commons / Staunch.wiki

राजनीति

आउटसोर्स कर्मचारी स्थायी भूमिकाओं के हकदार नहीं: सकीना इतू

जम्मू और कश्मीर की एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती, सकीना इतू ने आउटसोर्स कर्मचारियों की रोजगार स्थिति को स्पष्ट किया है। उनके बयान के अनुसार, आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से नियुक्त व्यक्ति प्रतिष्ठान के भीतर स्थायी पदों के लिए पात्र नहीं हैं। यह रुख बाहरी एजेंसियों के माध्यम से अस्थायी जुड़ाव और स्थायी संवर्ग पदों के बीच अंतर पर जोर देता है। इतू की टिप्पणियां आउटसोर्स भूमिकाओं में श्रमिकों के लिए उपलब्ध रोजगार नीतियों और कैरियर प्रगति मार्गों को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्रोत: Kashmir Life

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।